मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

08 मार्च, 2022

मुविवि में समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका पर व्याख्यान

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा साथ में मुख्य वक्ता डॉ0 रमा सिंह जी एवं प्रो0 रुचि बाजपेयी जी।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 08 मार्च, 2022 को मानविकी विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में पूर्वान्ह 11:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में **समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ0 रमा सिंह जी, प्राचार्य, आर्य कन्या महिला महाविद्यालय, प्रयागराज रही तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं डॉ रमा सिंह ने विश्वविद्यालय में तैनात महिला सुरक्षा गार्ड श्रीमती वरुणा सिंह को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

व्याख्यानमाला का विषय प्रवर्तन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्र तथा अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने किया। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने महिला अध्ययन केंद्र द्वारा ग्रामीण महिलाओं के हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

व्याख्यानमाला का संचालन डॉ स्मिता अग्रवाल धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर पीपी दुबे, प्रोफेसर ओमजी गुप्ता, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर पीके पांडे, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

मुक्त चिन्तन

स्वागत

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस व्याख्यान कार्यक्रम

दिनांक– 08 मार्च 2022 दिन – मंगलवार

'समावेशी सामाजिक विकास में महिलाओं की भूमिका'

मुख्य वक्ता– प्रो० रमा सिंह
प्राचार्या, आर्य कन्या गर्ल्स पी. जी. कालेज, प्रयागराज

आयोजक– मानविकी विद्याशाखा तथा महिला अध्ययन केन्द्र, उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अध्यक्षता– प्रो० सीमा सिंह
मा. कुलपति, उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयोजक– प्रो. सत्पाल तिवारी
निदेशक, मानविकी विद्याशाखा

सह-संयोजक– प्रो. रुचि बाजपेई
आचार्य हिन्दी एवं सचिव, महिला अध्ययन केन्द्र

आयोजन सचिव– डॉ. अतुल कुमार मिश्र
सहायक आचार्य, दर्शनशास्त्र

मा० कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी एवं मुख्य वक्ता डॉ० रमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ० अब्दुल रहमान तथा डॉ० शिवेन्द्र सिंह

प्रो० सतपाल तिवारी एवं
प्रो० रुचि बाजपेयी को पुष्पगुच्छ भेंट कर
उनका स्वागत करते हुए
डॉ० अतुल मिश्रा
तथा डॉ० अनिल कुमार यादव

महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के सुरक्षा व्यवस्था में कार्य कर रही अरूना सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई मा० कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी एवं मुख्य वक्ता डॉ० रमा सिंह जी

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

महिला अध्ययन केंद्र द्वारा ग्रामीण महिलाओं के हितों के लिए किए जा रहे कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करती हुई महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई

सम्मान

उल्लेखनीय सेवाओं के लिए महिला सुरक्षा गार्ड सम्मानित

श्रीमती अरुना सिंह

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं डॉ रमा सिंह ने विश्वविद्यालय में तैनात महिला सुरक्षा गार्ड श्रीमती वरुणा सिंह को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

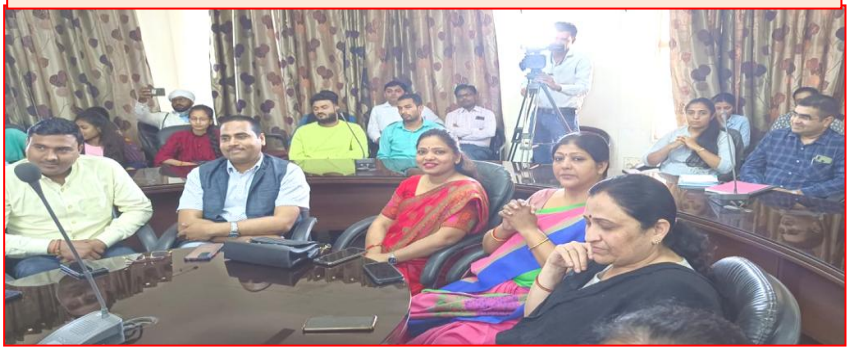

महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय तैनात महिला सुरक्षा गार्ड श्रीमती वरुणा सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनको सम्मानित करती हुई मा० कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी एवं मुख्य वक्ता डॉ० रमा सिंह जी

व्याख्यानमाला का विषय प्रवर्तन करते हुए सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्र

सोच बदलने से होगा सामाजिक परिवर्तन– डॉ0 रमा सिंह

डॉ0 रमा सिंह

समारोह की मुख्य वक्ता डॉ रमा सिंह, प्राचार्य, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज ने इस अवसर पर अपने व्याख्यान में कहा कि महिलाएं शिक्षित होंगी तभी समावेशी सामाजिक विकास की अवधारणा फलीभूत होगी। समाज में महिलाओं के प्रति मानसिक सोच में परिवर्तन जरूरी है। सोच बदलने से ही सामाजिक परिवर्तन होगा। डॉ सिंह ने कहा कि आज कई क्षेत्रों में महिलाएं पुरुषों के साथ बराबरी का हक हासिल कर रही हैं लेकिन अभी भी हमें 100 प्रतिशत बराबरी का लक्ष्य प्राप्त करना है।

डॉ सिंह ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर यह चिंतन होना चाहिए कि हम परिवार में ही बच्चों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा अवश्य दें, जिससे महिलाओं के प्रति भेदभाव न उत्पन्न हो। उन्होंने कहा कि बिना सामंजस्य के समाज नहीं चलता। पति पत्नी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए एक दूसरे का सम्मान आवश्यक है।

मुख्य वक्ता डॉ सिंह ने कहा कि शक्ति ता हमेशा महिलाओं के साथ रही। सामाजिक चित्रण को निरूपित करते हुए उन्होंने कहा कि युगों युगों से यह षडयंत्र चला कि नारियों को कैसे कमजोर किया जाए, परंतु वीरांगनाओं ने जब सख्ती दिखाई तो पुरुष समाज नमन करने को तैयार हुआ। इसीलिए इस धरा पर देवियों की पूजा होती है।

लैंगिक समानता के लिए महिलाओं का सम्मान करें– प्रोफेसर सीमा सिंह

मा० कुलपति प्रो० सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की मा० कुलपति प्रो० सीमा सिंह ने कहा कि समाज में लैंगिक समानता महिलाओं का सम्मान करने से ही आएगी। इसके लिए महिलाओं को स्वतः आगे आना पड़ेगा। शिक्षा से ही महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा सकता है। बालिकाओं की शिक्षा में कोई रुकावट आ रही हो तो उसे दूर करना चाहिए समाज में कई समस्याएं हैं कई चुनौतियां हैं हम सभी को मिलकर उनका मुकाबला करना है। महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच तथा सम्मान का भाव प्रदर्शित करें। महिलाओं की छिपी हुई क्षमताओं को समाज के सामने लाना होगा।

अतिथि सम्मान

मुख्य वक्ता डॉ० रमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई मा० कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी

मा० कुलपति प्रो० सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रो० सतपाल तिवारी एवं प्रो० रूचि बाजपेयी

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रो० विनोद कुमार गुप्ता

राष्ट्रगान